

17 जनवरी, 2023
माघ, कृष्ण पक्ष, एकादशी
संवत् 2079
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 3.00

रांची

गंगलवार, वर्ष 08, अंक 90

FLORENCE
Group of Institutions
(A Unit of: Haji Abdur Razzaque
Educational Society)
Irba, Ranchi-835219 (Jharkhand)



नामांकन जारी संत्र : 2022-2023

उषा कॉलेज ऑफ फर्मसी

D.C ऑफिस के पीपी, बड़ा कांकड़ा, साहबगढ़ा

Regd. Under :

Health & Family

Welfare department Govt. of Jharkhand

Recognized by :

Pharmacy Council of India (PCI) Govt. of India

Affiliated by : Kohan University, Chatbasa, Jharkhand.

Course:**B.PHARM**

(Bachelor in Pharmacy)

Note : BUS &

Hostel Facility

Duration : 4Yrs.

Eligibility : 10+2 With

PCB/PCM

For more details Contact :

TATA NAGAR INSTITUTE OF PARA MEDICAL TECHNOLOGY

Shore Punjab Chowk, Main Road, Adityapur

Cont. 934635208, 9472788354

देश के सबसे बड़े उद्योगपति पर एकमुश्त कर लगाने से 50 लाख से अधिक प्राथमिक शिक्षकों को रोजगार भारत के 21 अरबपतियों के पास देश के 70 करोड़ लोगों से ज्यादा दौलत

■ एक प्रतिशत लोगों के पास देश की कुल संपत्ति का 40 प्रतिशत हिस्सा

■ सिफ दो फीसदी टैक्स मात्र से अगले तीन साल तक कुपोषण दूर हो सकता है

भारत के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों के पास देश की कुल संपत्ति का 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है, वही दूसरी और देश की अधिक आबादी देश की कुल संपत्ति के महज तीन वर्षों में अपना गुजर-बसर कर रही है। यानी भारत के 21 अरबपतियों के पास देश के 70 करोड़ लोगों से ज्यादा दौलत है। उन लोगों को गरीबी से लगाव होता है। इसके अनुसार तो इन लोगों से अगले तीन साल तक देश में कुपोषण दूर हो सकता है। भारत का पूरा बजट 18 महीने तक चलाया जा सकता है। जी हां, आपने सही सुना। दुनिया में हमें से ही अमीरी और गरीबी के फर्क को लेकर लंबी बहस छिड़ी रहती है। सबकी अपनी-अपनी राय भी होती है। अमीरों से ज्यादातर लोगों

को नफरत भी होती है। नफरत कहे या जलन, यहां विरोधभास हो सकता है। उन लोगों को गरीबी से लगाव होता है। ऐसा उनकी कथनी से झालकता है। लेकिन करनी का समय अते ही वही लोग गरीब होना नहीं चाहते। उन्हें भी अमीर ही बनना है। राजनीति भी गरीबों को लेकर ही होती है। हां छोटे-बड़े नेता को गरीबी दूर करना होता है, लेकिन उनसे यह होता नहीं है। हां, वे गरीबों के नेता और अमीर जरूर बन जाते हैं। फॉर्म्यूलर में घृते

हैं और खुद को पिछड़ों का बनता बनते हैं। भले अमीरी-गरीबी पर बहस लोगों का पसंदीदा विषय है, क्योंकि इसमें बोलने के असाधारण अवादी उनके पास भी ही हुए हैं। इस रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के 21 अरबपतियों के पास मौजूदा समय में देश के 70 करोड़ लोगों से ज्यादा दौलत है। अब इसी से समझा जा सकता है कि अमीर और अमीर होता जा रहा है और गरीब और गरीब। क्या कहा गया है ऑक्सफैम की रिपोर्ट में, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता रोकेश सिंह।



है कि देश के महज 21 अरबपतियों के पास इतनी दौलत है, जो देश के 70 करोड़ लोगों से ज्यादा है। जी हां, वह सच है। रिपोर्ट की माने, तो कोरोना के बाद से वीते साल तक टॉप अरबपतियों ने हर रोज तीन हजार 608 करोड़ रुपये हर दिन बढ़े हैं। जी, यह भी अक्षरश: सत्य है। हो सकता है आपको अपनी अमीरों और कानों पर विवास नहीं हो पा रहा हो, लेकिन वह सही है। ऑक्सफैम की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020 में कोरोना महामारी शुरू होने के बाद से नवंबर 2021 तक जहां अधिकतर भारतीयों को नौकरी संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ा और अपनी अमीरों और कानों पर विवास नहीं हो पा रहा हो, लेकिन यह सही है। इसके अनुसार यह कोरोना का इजाफा देखा गया है। यानी प्रतिनिधि तीन हजार 608 करोड़ रुपये बढ़े हैं। नाट ने सबसे ग्राही नोटों की संपत्ति 660 अरब डॉलर के पार, 18 महीने देश का एक उठा सकते हैं 100 अरब।

रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 में भारत के पांच फीसदी लोगों का देश की कुल संपत्ति में से 62 फीसदी हिस्से पर कब्जा था। वर्ती, भारत की निचली 50 फीसदी

आजाद सिपाही विशेष

लिए बहुत कुछ होता है, लेकिन करनी का समय अते ही वही लोग गरीब होना नहीं चाहते। उन्हें भी अमीर ही बनना है। लेकिन अमीर सिफ अमीर होता जाये और देश की 40 प्रतिशत आबादी जितनी संपत्ति मात्र एक प्रतिशत लोगों के पास आ जाये, तो यह विषय चर्चा का ही है, साथ ही चिंतनी भी है।

अडानी दुनिया के अन्य अमीरों की तुलना में सबसे ज्यादा कर्मान्तर करने वाले अरबपति रहे। ताजा रिपोर्ट में इस बात की जानकारी दी गयी है कि 2020 में भारत में अरबपति अमीरों की संख्या 102 थी, लेकिन 2022 में वे आंकड़ा बढ़ कर 166 हो चुका था।

नहिला श्रिंगों और पुराणे श्रिंगों ने भाई जार

लैंगिक असमानता पर रिपोर्ट में कहा गया है कि महिला श्रिंगों को हासिल प्रयोक्ता एक रुपये के लिए केवल 63 पैसे मिलते हैं। अनुसूचित जातियों और ग्रामीण श्रिंगों के लिए अंतर और भी अधिक है—अनुसूचित जातियों ने सामाजिक कामाई का 55 प्रतिशत कराते हुए अमीरों और बाद में 2018 और 2019 के बीच शरीर कामाई का केवल 16 आधा रुपया के लिए अनुमति धन के 1.5 गुना से अधिक है।

पिछले 10 सालों में भारत में पैदा हुई संपत्ति के गैर-बाबावर बटवारे के मुद्दे को भी रिपोर्ट में उत्तरा योग्यता देखने के लिए इसमें कहा गया है कि 2012 से 2021 के दौरान अवासविक लाभ पर एकमुश्त कर से 1.7 लाख करोड़ रुपये जुटाये जा सकते थे। यह राशि एक साल के लिए 50 लाख से अधिक भारतीय अवासविक विद्यालय शिक्षकों को रोजाना बलिदान दे रहा है, वही अमीर होते जा रहे हैं। बीते दो वर्ष अमीरों के लिए खास तौर पर पायदाम रहे हैं। कोरोना महामारी के दौरान उनकी यात्रा गतिशील हुई। इसकी वजह बड़ी मात्रांगी और ऊर्जा क्षेत्र से मिलने वाला मुनाफा रहा।

दुनिया के अमीरों की दौलत हर दिन 22 हजार करोड़ रुपये बढ़ती

ओक्सफैम ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि दुनिया के अमीरों की दौलत हर दिन 22 हजार करोड़ रुपये बढ़ती है। दुनिया के अमीरों पर पांच फीसदी टैक्स मालगाने से बच्चों को स्कूल वापस लाने के लिए आवश्यक लगभग पूरी राशि इकट्ठा हो जायेगी। इसकी वजह बड़ी मात्रांगी और ऊर्जा क्षेत्र से मिलने वाला मुनाफा मालगाने से बच्चों को हस्से में 16 ट्रिलियन डॉलर की ही संपत्ति हो जाएगी। अमीरों के संपत्ति में से 102 थी, लेकिन 2022 में वे आंकड़ा बढ़ कर 166 हो चुका था।

रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2020 से दुनिया में कीबी 42 ट्रिलियन यूएस डॉलर की संपत्ति कमाई गयी है, जिसमें से करीब दो तिहाई संपत्ति दुनिया के सिफ एक फीसदी अमीरों के हिस्से में गयी है।

रिपोर्ट के अनुसार, पिछले दशक में दुनिया के एक फीसदी अमीरों ने दुनिया भर में कमायी गयी कमाई का 55 प्रतिशत कराते हुए अमीरों और बाद में 2018 और 2019 के बीच शरीर कमाई का केवल 16 आधा रुपया के लिए अवासविक लाभ पर एकमुश्त कर से 1.7 लाख करोड़ रुपये जुटाये जा सकते थे। यह राशि एक साल के लिए 50 लाख से अधिक भारतीय अवासविक विद्यालय शिक्षकों को रोजाना बलिदान दे रहा है, वही अमीर होते जा रहे हैं। बीते दो वर्ष अमीरों के लिए खास तौर पर पायदाम रहे हैं। इसकी वजह बड़ी मात्रांगी और ऊर्जा क्षेत्र से मिलने वाला मुनाफा रहा।

इसकी वजह बड़ी मात्रांगी और ऊर्जा क्षेत्र से मिलने वाला मुनाफा कमाया जाता है।

भारत के बौद्धिक और राजनीतिक हल्कों में आमीरी-गरीबी बहस का सबसे प्रिय विषय है।

लेकिन ऑक्सफैम के अनुसार, बीते दो वर्ष अमीरों के लिए खास तौर पर पायदाम रहे हैं। इसकी वजह बड़ी मात्रांगी और ऊर्जा क्षेत्र से मिलने वाला मुनाफा रहा।

भारत के बौद्धिक और राजनीतिक हल्कों में आमीरी-गरीबी बहस का सबसे प्रिय विषय है।

लेकिन ऑक्सफैम की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, बीते दो वर्ष अमीरों के लिए खास तौर पर पायदाम रहे हैं। इसकी वजह बड़ी मात्रांगी और ऊर्जा क्षेत्र से मिलने वाला मुनाफा रहा।

इसकी वजह बड़ी मात्रांगी और ऊर्जा क्षेत्र से मिलने वाला मुनाफा रहा।

भारत के बौद्धिक और राजनीतिक हल्कों में आमीरी-गरीबी बहस का सबसे प्रिय विषय है।

लेकिन ऑक्सफैम की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, बीते दो वर्ष अमीरों के लिए खास तौर पर पायदाम रहे हैं। इसकी वजह बड़ी मात्रांगी और ऊर्जा क्षेत्र से मिलने वाला मुनाफा रहा।

भारत के बौद्धिक और राजनीतिक हल्कों में आमीरी-गरीबी बहस का सबसे प्रिय विषय है।

लेकिन ऑक्सफैम की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, बीते दो वर्ष अमीरों के लिए खास तौर पर पायदाम रहे हैं। इसकी वजह बड़ी मात्रांगी और ऊर्जा क्षेत्र से मिलने वाला मुनाफा रहा।

भारत के बौद्धिक और राजनीतिक हल्कों में आमीरी-गरीबी बहस का सबसे प्रिय विषय है।

लेकिन ऑक्सफैम की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, बीते दो वर्ष अमीरों के लिए खास तौर पर पायदाम रहे हैं। इसकी वजह बड़ी मात्रांगी और ऊर्जा क्षेत्र से मिलने वाला मुनाफा रहा।

भारत के बौद्धिक और राजनीतिक हल्कों में आमीरी-गरीबी बहस का सबसे प्रिय विषय है।

लेकिन ऑक्सफैम की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, बीते दो वर्ष अमीरों के लिए खास तौर प



परीक्षा का परिणाम आपके जीवन का परिणाम नहीं है : संजय सेठ

आई एवं पेटिंग एजाम वॉरियर प्रतियोगिता में 45 स्कूलों के 1500 बच्चों ने भाग लिया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी की परीक्षा पे चर्चा से पूर्व सोमवार को रांची में भव्य आई एवं पेटिंग एजाम वॉरियर प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। रांची के सांसद संजय सेठ के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में रांची के 45 छोटे-बड़े स्कूलों से जुड़े 1500 से अधिक बच्चों ने सहभागिता निपायी। एक घंटे की इस प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी रचनात्मकता का जबरदस्त प्रदर्शन किया और परीक्षा पे चर्चा से संबंधित कई कलाकृतियां



बनायी। इस अवसर पर प्रमुख उपर्युक्त के अध्यक्ष कुलतार सिंह रूप से केंद्रीय खादी ग्रामीण आयोग के सदस्य व इस आयोजन के राज्य प्रभारी मनोज कुमार सिंह, गुरु नानक स्कूल प्रबंधन

संघित के अध्यक्ष कुलतार सिंह होड़ा और कलाकृति स्कूल ऑफ आर्ट्स के निदेशक धनंजय कुमार मौजूद रहे। वहीं श्री सेठ ने कहा कि यह

संवाद किया है। इसी क्रम में वे बच्चों से सवाद करते हैं। प्रधानमंत्री जी स्पष्ट कहते हैं कि यह परीक्षा जीवन की परीक्षा नहीं है। इसलिए प्रत्येक की चिंता किये बैरो आप बहतर नामांकित बनने के लिए काम करें।

श्री सेठ ने कहा कि परीक्षा पर चर्चा आप बच्चों के लिए बहुत ही प्रेरणादायक कार्यक्रम होता है, जो आपको जीवन में हर परिस्थिति में अगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इसलिए 27 जनवरी को प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी की परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम हम सब को अवश्य सहित कई अन्य मौजूद है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुबंध कर्मियों का विरोध-प्रदर्शन

विशेष प्रदर्शन में पुलिस और स्वास्थ्य कर्मियों के बीच व्यापार-मुक्ती, सीएम ने निलंबन की मांग एवं अडे कर्मियों

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची में स्वास्थ्य विभाग के अनुबंध कर्मियों ने स्थानीकरण की मांग को लेकर विशेष प्रदर्शन किया। पुलिस ने मुख्यमंत्री आवास से पहले प्रदर्शन रोकने की कोशिश की, तो आंदोलन कर रहे स्वास्थ्य कर्मियों ने आगे बढ़ने की कोशिश की। पुलिस को इस दौरान हल्का बल का प्रयोग करना पड़ा।

पांच लोग हैं घायल

एनएम जीएनएम संघ की प्रदेश महासचिव जुही मिंज ने कहा, हमारे कुछ साथी घायल हैं। एक साथी के पैर में गंभीर चोट आयी है। मोरहाबादी से जुलूस के रूप में निकले आंदोलनकारी राजधानी पहुंचे। वहां नारेबाजी के क्रम में बैरिकेडों तोड़ कर आगे बढ़ने की कोशिश की गयी। आंदोलनकारी



नोरहाबादी से निकला था जुलूस

स्वास्थ्य विभाग के विभान्न सम्प्रभु में सेवा दे रहे इन अनुबंधकर्मियों ने मोरहाबादी मैदान से फिलिये और अपनी बात रखे।

सेंगीत कालिन हड्डताल पर जाने की घोषणा कर चुके हैं। इनकी मांग है कि पांच लोगों की कमेटी मुख्यमंत्री से जुलूस निकला। लगभग हजार की संख्या में पारा चिकित्सकर्मी, एनएम, जीएनएम, फार्मासिस्ट, एक्स-रेटकर्मी नियन्त्रित करेंगे। इनकी मांग है कि अनुबंध कर्मी अधिकृत कालीन हड्डताल पर जाने की मांग की गयी।

संघ की ओर से जानकारी दी गयी है, उसमें बताया गया है कि संघ ने पारा मेडिकल नियामावली 2018 में आशिक संशोधन करते हुए स्वास्थ्य विभाग के सभी पारा मेडिकल कर्मियों को वर्ष 2014 की तरह विभागीय समायोजन की प्रक्रिया अविलंब आरंभ करने की मांग की थी।

गया कि पश्चिमी सिंहधूम, लोहार समेत अन्य कई जिलों में नक्सल अधियान की आई में सुरक्षा बल द्वारा अधिवासियों पर व्यापक हिंसा हो रही है। हिंसा के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं। अब हम लोग अनशन से पहले धेराव करेंगे। इसके बाद लगभग 8000 अनुबंध कर्मी अधिकृत कालीन हड्डताल पर जाने की मांग की गयी।

गया कि पश्चिमी सिंहधूम, लोहार समेत अन्य कई जिलों में नक्सल अधियान की आई में सुरक्षा बल द्वारा अधिवासियों पर व्यापक हिंसा हो रही है। हिंसा के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं। अब हम लोग अनशन से पहले धेराव करेंगे। इसके बाद लगभग 8000 अनुबंध कर्मी अधिकृत कालीन हड्डताल पर जाने की मांग की गयी।

गया कि पश्चिमी सिंहधूम, लोहार समेत अन्य कई जिलों में नक्सल अधियान की आई में सुरक्षा बल द्वारा अधिवासियों पर व्यापक हिंसा हो रही है। हिंसा के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं। अब हम लोग अनशन से पहले धेराव करेंगे। इसके बाद लगभग 8000 अनुबंध कर्मी अधिकृत कालीन हड्डताल पर जाने की मांग की गयी।

गया कि पश्चिमी सिंहधूम, लोहार समेत अन्य कई जिलों में नक्सल अधियान की आई में सुरक्षा बल द्वारा अधिवासियों पर व्यापक हिंसा हो रही है। हिंसा के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं। अब हम लोग अनशन से पहले धेराव करेंगे। इसके बाद लगभग 8000 अनुबंध कर्मी अधिकृत कालीन हड्डताल पर जाने की मांग की गयी।

गया कि पश्चिमी सिंहधूम, लोहार समेत अन्य कई जिलों में नक्सल अधियान की आई में सुरक्षा बल द्वारा अधिवासियों पर व्यापक हिंसा हो रही है। हिंसा के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं। अब हम लोग अनशन से पहले धेराव करेंगे। इसके बाद लगभग 8000 अनुबंध कर्मी अधिकृत कालीन हड्डताल पर जाने की मांग की गयी।

गया कि पश्चिमी सिंहधूम, लोहार समेत अन्य कई जिलों में नक्सल अधियान की आई में सुरक्षा बल द्वारा अधिवासियों पर व्यापक हिंसा हो रही है। हिंसा के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं। अब हम लोग अनशन से पहले धेराव करेंगे। इसके बाद लगभग 8000 अनुबंध कर्मी अधिकृत कालीन हड्डताल पर जाने की मांग की गयी।

गया कि पश्चिमी सिंहधूम, लोहार समेत अन्य कई जिलों में नक्सल अधियान की आई में सुरक्षा बल द्वारा अधिवासियों पर व्यापक हिंसा हो रही है। हिंसा के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं। अब हम लोग अनशन से पहले धेराव करेंगे। इसके बाद लगभग 8000 अनुबंध कर्मी अधिकृत कालीन हड्डताल पर जाने की मांग की गयी।

गया कि पश्चिमी सिंहधूम, लोहार समेत अन्य कई जिलों में नक्सल अधियान की आई में सुरक्षा बल द्वारा अधिवासियों पर व्यापक हिंसा हो रही है। हिंसा के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं। अब हम लोग अनशन से पहले धेराव करेंगे। इसके बाद लगभग 8000 अनुबंध कर्मी अधिकृत कालीन हड्डताल पर जाने की मांग की गयी।

गया कि पश्चिमी सिंहधूम, लोहार समेत अन्य कई जिलों में नक्सल अधियान की आई में सुरक्षा बल द्वारा अधिवासियों पर व्यापक हिंसा हो रही है। हिंसा के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं। अब हम लोग अनशन से पहले धेराव करेंगे। इसके बाद लगभग 8000 अनुबंध कर्मी अधिकृत कालीन हड्डताल पर जाने की मांग की गयी।

गया कि पश्चिमी सिंहधूम, लोहार समेत अन्य कई जिलों में नक्सल अधियान की आई में सुरक्षा बल द्वारा अधिवासियों पर व्यापक हिंसा हो रही है। हिंसा के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं। अब हम लोग अनशन से पहले धेराव करेंगे। इसके बाद लगभग 8000 अनुबंध कर्मी अधिकृत कालीन हड्डताल पर जाने की मांग की गयी।

गया कि पश्चिमी सिंहधूम, लोहार समेत अन्य कई जिलों में नक्सल अधियान की आई में सुरक्षा बल द्वारा अधिवासियों पर व्यापक हिंसा हो रही है। हिंसा के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं। अब हम लोग अनशन से पहले धेराव करेंगे। इसके बाद लगभग 8000 अनुबंध कर्मी अधिकृत कालीन हड्डताल पर जाने की मांग की गयी।

गया कि पश्चिमी सिंहधूम, लोहार समेत अन्य कई जिलों में नक्सल अधियान की आई में सुरक्षा बल द्वारा अधिवासियों पर व्यापक हिंसा हो रही है। हिंसा के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं। अब हम लोग अनशन से पहले धेराव करेंगे। इसके बाद लगभग 8000 अनुबंध कर्मी अधिकृत कालीन हड्डताल पर जाने की मांग की गयी।

गया कि पश्चिमी सिंहधूम, लोहार समेत अन्य कई जिलों में नक्सल अधियान की आई में सुरक्षा बल द्वारा अधिवासियों पर व्यापक हिंसा हो रही है। हिंसा के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं। अब हम लोग अनशन से पहले धेराव करेंगे। इसके बाद लगभग 8000 अनुबंध कर्मी अधिकृत कालीन हड्डताल पर जाने की मांग की गयी।

गया कि पश्चिमी सिंहधूम, लोहार समेत अन्य कई जिलों में नक्सल अध

'वैश्य और व्यापारियों को बनाया जा रहा है निशान'

वैश्य गोर्ख उत्तरेणा सङ्कप पर



आजाद सिपाही संचाददाता
रांची। ज्ञारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहू ने कहा कि ज्ञारखंड में लगातार वैश्यों एवं व्यवसायियों को अपराधियों द्वारा निशाना बनाया जा रहा है। कई मामलों में तो पुलिस भी वैश्य और व्यवसायियों को प्रताड़ित करते हुए दिख रही है। श्री साहू ने कहा कि अफसोस की बात कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राज्य तो तोड़ दीजिए, वैश्य कोटे के मंत्री, सारंद और विधायक भी चुप्पी साध कर सब कुछ चुपचार तमाशा देख रहे हैं। हाल के दिनों की घटनाएं जो बताती हैं कि वैश्यों और व्यवसायियों को कैसे निशाना बनाया जा रहा है और विभिन्न दलों में जो वैश्य कोटे से पद धारण किये हुए हैं और आगे भी यारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा अब सङ्कप पर उत्तर कर अपनी मांग को रखेंगे।

नगर आयुक्त को बस सेवा कर्मचारी संघ ने ज्ञापन सौंपा

कहा- बस संचालकों को कर्मचारी का दर्जा निलंगित

आजाद सिपाही संचाददाता
रांची। बस सेवा कर्मचारी संघ का प्रतिनिधिमंडल ज्ञारखंड प्रदेश जवाहर लाल नेहरू बस सेवा कर्मचारी संघ के बैरन तले नगर आयुक्त से मुलाकात की। सोमवार को संचालकों ने अपनी मांगों को उल्लंघन है। कार्यरत कर्मचारियों को ज्ञारखंड सरकार के द्वारा घोषित श्रम कानूनों के तहत सभी अवधियों एवं प्रदान की जायें। ज्ञापन टैंडर का भी हवाला दिया गया है, कि इसके दिनों अखबारों के माध्यम से सूचनाएं ज्ञारखंड हाइकोर्ट में सूचित कर रही हैं। मामले में सामाजिक वैश्य करने की बात की है। मांग पत्र में कहा है कि ज्ञारखंड लाल नेहरू पुनरुत्थान शहरी मिशन योजना के तहत बस सेवा की शुरूआत साल 2010 में की गयी। राजधानी के अलग अलग हिस्सों में लगभग सभी बसें इसके तहत सचालित हैं। लोकन के अधिकारी को अधिकारी अहमद खां समेत अन्य संचालक मौजूद थे।

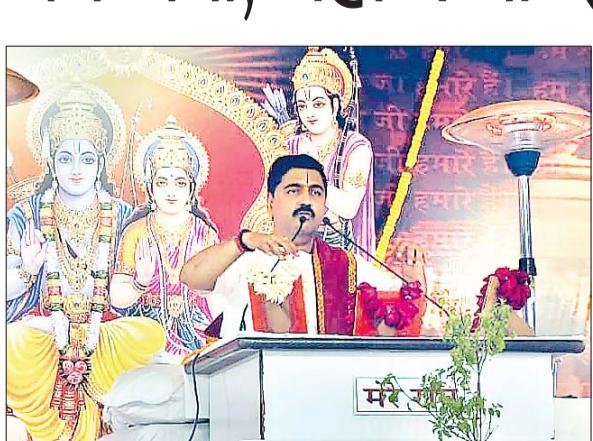
जदयू किसके साथ चुनाव लड़ेगा यह शीर्ष नेतृत्व तथ करेगा : डॉ अशोक

आजाद सिपाही संचाददाता
रांची। ज्ञारखंड में 2024 में होने वाले लोकसभा और इसके बाद विधानसभा चुनाव में जदयू किसके साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे, किसकी फैसला चुनाव के पूर्व किया गया है। श्री चौधरी ने कहा कि ज्ञारखंड में संगठन विस्तार की अपार संभावनाएं हैं। बैठक में रामाकांत मंडल, शारदा देवी, उचित महतो, रुद्रकांत लाल दाय, चिरुवन दायल, संजय ठाकुर, मनोज सिन्हा, अंजय कुमार, अंजलि सिंह, संजय सिन्हा, रामस्वरूप यादव, वीप नारायण सिंह, प्रदीप महतो, सतीश दाय, लालचंद महतो, खुशबू कुमारी, कृष्ण सिंह घटवार, राजू सिंह सहित कई अन्य मौजूद थे।

टीपीसी सुप्रीमो बजेश गंडा हुआ भूमिगत
रांची(आजाद सिपाही)। मगध और आम्रपाली काले परियोजनाओं में टेरर फॉर्डिंग का मुख्य आरोपी टीपीसी सुप्रीमो बजेश गंडा भूमिगत हो गया है। ब्रजेश गंडा फिल्हाल कहां है, इसकी जानकारी पूलिस और एनआइआई भी नहीं जुटा पायी है। बताया जा रहा है कि टीपीसी संगठन के खिलाफ लगातार पुलिस की बजेश गंडा और एनआइआई की दीविश जारी है, जिससे परेशान होकर बजेश गंडा इन दिनों चतरा जिला छोड़ कर फरार हो गया है। हालांकि बजेश गंडा की गैरीजूलीगी में टीपीसी का जिलान कमांडर आम्रपाल गंडा संगठन के लिए लोटी वसूलने समेत अन्य घटनाओं के अंतर्गत दे रहा है।

श्रीराम कथा का दूसरा दिन : प्रेम के घर्षण से भगवान प्रगट हो जाते हैं

जहाँ रिश्ता बन गया, वहाँ कर्मी देखना बंद कर दें : राजन महाराज



आजाद सिपाही संचाददाता
रांची। सोमवार को हरमू मैदान में अयोजित श्रीराम कथा के दूसरे दिन भक्तों ने कथा का रसपान किया। किसी भी मुख्य यजमान प्रेमचंद्र श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव व यजमान सुशील गुप्ता, राजेश शर्मा ने पूरे परिवार के संग व्यापास पूजन, गुरु पूजन भजन व माल्यार्पण कर राजन महाराज का अभिनंदन और स्वागत किया। भगवान के प्रेम की बात को उन्होंने इस तरह समझाया की भगवान प्रगत हो गया।

भगवान के प्रेम की बात को उन्होंने इस तरह समझाया की भगवान प्रगत हो गया।

थंब इंप्रेशन को क्लोन करके की थी ठगी

ढाई लाख रुपये उड़ाने वाले साइबर ठग को सीआइडी ने गिरफ्तार किया

आजाद सिपाही संचाददाता

रांची। 2.50 लाख रुपये की ठगी करने वाले साइबर अपराधी को सीआइडी ने गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार साइबर अपराधी गणेश

मंडल असम के मारीगांव जिले

के साकिन बेलीगुड़ी रोड,

पालीगुड़ी का रहने वाला है।

वैश्य मोर्चा विगत 15 वर्षों से

<p

संपादकीय

सूचनाएं सामने आये

उत्तराखण्ड के जोशीमठ में मकानों में आयी दरारों के बाद जर्नलों को सुरक्षित जगहों पर ले जाने की प्रक्रिया चल रही है, वहाँ जमीन धंसने की रफता ने नवीं चिंता पैदा कर दी है। खासकर भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो की सैटलाइट तस्वीरों के हवाले से आयी इस सूचना ने बड़े पैमाने पर लोगों का ध्यान खींचा कि जमीन धंसने की रफता में अश्वक्यजनक तेजी आयी है। रिपोर्ट के मूलबिक अप्रैल 2022 से बाद के सात महीनों में जमीन 8.9 सेंटीमीटर धंसी, जबकि 27 दिसंबर के बाद के 12 दिनों में ही 5 सेंटीमीटर का धंसान रिकॉर्ड किया गया। अपी भू-धंसान की गति में आयी इस कथित तेजी के मायनों और इसके सभावित नतीजों पर बातचीत हो रही थी कि अचानक इसरो के नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएसी) ने अपनी वेबसाइट से यह रिपोर्ट हटा दी। इसके कारणों पर इसरो की ओर से तो कुछ नहीं कहा गया, लेकिन उत्तराखण्ड सरकार के एक मंत्री ने दावा किया कि उन्हीं के अनुरोध पर ऐसा हुआ है। बाद में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई एक बैठक के बाद नेशनल डिजिटर मैनेजरेंट अर्थारी ने पत्र लिखकर इसरो समेत 12 सरकारी संगठनों और एजेंसियों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी कि उनके एक्सपर्ट्स अपना आव्हानशंखन मीडिया के साथ या सोशल मीडिया पर शेयर न करें। राज्य और केंद्र सरकार का कहना है कि इससे मौजूदा हालात को लेकर अलग-अलग तरह के तथ्य और उनकी तरह-तरह की व्याख्याएं सामने आ रही हैं, जिससे लोगों में घबराहट फैल रही है। मौजूदा हालात में लोगों में भ्रम और आशंकाएं फैलने को लेकर सरकार की सतर्कता समझी जा सकती है, लेकिन बड़ा सबाल यह है कि घबराहट फैलने से रोकने के लिए सरकार की ओर से उतारे गये इस कदम को किस रूप में देखा जायेगा और उससे कैसी स्थिति बनेगी? विपक्षी दल कांग्रेस ने इसे सच्चाइ दबाने की कोशिश करार दी है। मगर उसे फिलहाल छोड़ दिया जाये तो भी वह सबाल तो है कि आखिर इसरो की अपनी रिपोर्ट हटाने को क्यों कहा गया? क्या उसकी सैटलाइट तस्वीरें सही नहीं थीं? और अमर इसरो की सैटलाइट तस्वीरों पर रोक लगा भी तो गयी तो अन्य देशों के सैटलाइट जो तस्वीरें भेज रहे हैं, उनका क्या किया जायेगा? क्या इसरो वाले मामले को दुनिया भर में सूचनाएं छिपाने की कोशिश के रूप में नहीं लिया जायेगा? दूसरी बात यह कि उत्तराखण्ड में चाहे किसी भी दल की सरकार रही हो, उस पर कथित विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए पर्यावरण विशेषज्ञों को अनेक रूपों से रहने के आरोप लगते रहे हैं। बैठक तेजी सारकार सूचनाओं को सार्वजनिक करे, ताकि इस पर एक्सपर्ट्स के बीच खुलकर बहस हो और उससे स्थिति में सुधार लाने का सही रास्ता निकले।

राज्य और केंद्र सरकार का कहना है कि इससे मौजूदा हालात को लेकर अलग-अलग तरह के तथ्य और उनकी तरह-तरह की व्याख्याएं सामने आ रही हैं, जिससे लोगों में घबराहट फैल रही है। मौजूदा हालात में लोगों में भ्रम और आशंकाएं फैलने को लेकर सरकार का

सतर्कता समझी जा सकती है, लेकिन बड़ा सबाल यह है कि घबराहट फैलने से रोकने के लिए सरकार की ओर से उतारे गये इस कदम को किस रूप में देखा जायेगा और उससे कैसी स्थिति बनेगी? विपक्षी दल कांग्रेस ने इसे सच्चाइ दबाने की कोशिश करार दी है। मगर उसे फिलहाल छोड़ दिया जाये तो भी वह सबाल तो है कि आखिर इसरो की अपनी रिपोर्ट हटाने को क्यों कहा गया? क्या उसकी सैटलाइट तस्वीरें सही नहीं थीं? और अमर इसरो की सैटलाइट तस्वीरों पर रोक लगा भी तो गयी तो अन्य देशों के सैटलाइट जो तस्वीरें भेज रहे हैं, उनका क्या किया जायेगा? क्या इसरो वाले मामले को दुनिया भर में सूचनाएं छिपाने की कोशिश के रूप में नहीं लिया जायेगा? दूसरी बात यह कि उत्तराखण्ड में चाहे किसी भी दल की सरकार रही हो, उस पर कथित विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए पर्यावरण विशेषज्ञों को अनेक रूपों से रहने के आरोप लगते रहे हैं। बैठक तेजी सारकार सूचनाओं को सार्वजनिक करे, ताकि इस पर एक्सपर्ट्स के बीच खुलकर बहस हो और उससे स्थिति में सुधार लाने का सही रास्ता निकले।

अभिमत आजाद सिपाही

मुफ्त उपहारों को परिभाषित करने में होने वाली झिजक के कारण अनुभव कल्याणकारी उपाय क्या हैं और मुफ्त की ऐविडिया क्या होगी, इस बारे में बड़ी उलझन पैदा हो गयी है। अनुभव कल्याणकारी उपायों पर निपात किया जाता है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) इस परिभाषा पर संबंधित है। यहाँ तक कि उपहारों के बोट के बदले मुफ्त रियायतों के वायदे करने की अनुमति दी जानी चाहिए? क्या ये रियायतें मेहज प्रतोग्यन नहीं हैं या क्या ये सुविचारिक सार्वजनिक कल्याण प्रतिबद्धाओं के बोयाएं हैं?

क्या संवैधानिक रूप से जनता की जेब पर इस तरह से बोझ डालने की अनुमति है जिससे सरकारी खजाने पर असर पड़े? क्या यह तरह की आर्थिक विकासी विधिय की पीढ़ियों पर भारी बोझ नहीं पैदा करती है, या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मुफ्तखोरी के बोट पैदा करती है।

क्या संवैधानिक रूप से जनता की जेब पर इस तरह से बोझ डालने की अनुमति है जिससे सरकारी खजाने पर असर पड़े? क्या यह तरह की आर्थिक विकासी विधिय की पीढ़ियों पर भारी बोझ नहीं पैदा करती है, या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मुफ्तखोरी के बोट पैदा करती है।

क्या संवैधानिक रूप से जनता की जेब पर इस तरह से बोझ डालने की अनुमति है जिससे सरकारी खजाने पर असर पड़े? क्या यह तरह की आर्थिक विकासी विधिय की पीढ़ियों पर भारी बोझ नहीं पैदा करती है, या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मुफ्तखोरी के बोट पैदा करती है।

क्या संवैधानिक रूप से जनता की जेब पर इस तरह से बोझ डालने की अनुमति है जिससे सरकारी खजाने पर असर पड़े? क्या यह तरह की आर्थिक विकासी विधिय की पीढ़ियों पर भारी बोझ नहीं पैदा करती है, या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मुफ्तखोरी के बोट पैदा करती है।

क्या संवैधानिक रूप से जनता की जेब पर इस तरह से बोझ डालने की अनुमति है जिससे सरकारी खजाने पर असर पड़े? क्या यह तरह की आर्थिक विकासी विधिय की पीढ़ियों पर भारी बोझ नहीं पैदा करती है, या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मुफ्तखोरी के बोट पैदा करती है।

क्या संवैधानिक रूप से जनता की जेब पर इस तरह से बोझ डालने की अनुमति है जिससे सरकारी खजाने पर असर पड़े? क्या यह तरह की आर्थिक विकासी विधिय की पीढ़ियों पर भारी बोझ नहीं पैदा करती है, या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मुफ्तखोरी के बोट पैदा करती है।

क्या संवैधानिक रूप से जनता की जेब पर इस तरह से बोझ डालने की अनुमति है जिससे सरकारी खजाने पर असर पड़े? क्या यह तरह की आर्थिक विकासी विधिय की पीढ़ियों पर भारी बोझ नहीं पैदा करती है, या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मुफ्तखोरी के बोट पैदा करती है।

क्या संवैधानिक रूप से जनता की जेब पर इस तरह से बोझ डालने की अनुमति है जिससे सरकारी खजाने पर असर पड़े? क्या यह तरह की आर्थिक विकासी विधिय की पीढ़ियों पर भारी बोझ नहीं पैदा करती है, या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मुफ्तखोरी के बोट पैदा करती है।

क्या संवैधानिक रूप से जनता की जेब पर इस तरह से बोझ डालने की अनुमति है जिससे सरकारी खजाने पर असर पड़े? क्या यह तरह की आर्थिक विकासी विधिय की पीढ़ियों पर भारी बोझ नहीं पैदा करती है, या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मुफ्तखोरी के बोट पैदा करती है।

क्या संवैधानिक रूप से जनता की जेब पर इस तरह से बोझ डालने की अनुमति है जिससे सरकारी खजाने पर असर पड़े? क्या यह तरह की आर्थिक विकासी विधिय की पीढ़ियों पर भारी बोझ नहीं पैदा करती है, या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मुफ्तखोरी के बोट पैदा करती है।

क्या संवैधानिक रूप से जनता की जेब पर इस तरह से बोझ डालने की अनुमति है जिससे सरकारी खजाने पर असर पड़े? क्या यह तरह की आर्थिक विकासी विधिय की पीढ़ियों पर भारी बोझ नहीं पैदा करती है, या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मुफ्तखोरी के बोट पैदा करती है।

क्या संवैधानिक रूप से जनता की जेब पर इस तरह से बोझ डालने की अनुमति है जिससे सरकारी खजाने पर असर पड़े? क्या यह तरह की आर्थिक विकासी विधिय की पीढ़ियों पर भारी बोझ नहीं पैदा करती है, या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मुफ्तखोरी के बोट पैदा करती है।

क्या संवैधानिक रूप से जनता की जेब पर इस तरह से बोझ डालने की अनुमति है जिससे सरकारी खजाने पर असर पड़े? क्या यह तरह की आर्थिक विकासी विधिय की पीढ़ियों पर भारी बोझ नहीं पैदा करती है, या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मुफ्तखोरी के बोट पैदा करती है।

क्या संवैधानिक रूप से जनता की जेब पर इस तरह से बोझ डालने की अनुमति है जिससे सरकारी खजाने पर असर पड़े? क्या यह तरह की आर्थिक विकासी विधिय की पीढ़ियों पर भारी बोझ नहीं पैदा करती है, या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मुफ्तखोरी के बोट पैदा करती है।

क्या संवैधानिक रूप से जनता की जेब पर इस तरह से बोझ डालने की अनुमति है जिससे सरकारी खजाने पर असर पड़े? क्या यह तरह की आर्थिक विकासी विधिय की पीढ़ियों पर भार

गढ़वा

महत्वपूर्ण न्यूज़

देवी-देवता की प्रतिमा के साथ आपत्तिजनक फोटो वायरल करने पर हिंदू समुदाय में आक्रोश



भंडरिया (आजाद सिपाही)

थाना क्षेत्र के मदगड़ी क पंचायत अंतर्गत चिरौया टांड के मुस्लिम समुदाय के तीन नाबालिंग लड़कों के द्वारा हिंदू देवी-देवता की प्रतिमा के साथ आपत्तिजनक फोटो वायरल होने के बाद आक्रोशित हिंदू समुदाय के लोगों ने भंडरिया थाना पहुंच लिखित शिकायत की। जिसके बाद भंडरिया पुलिस तत्काल कार्रवाई करते हुए तीनों नाबालिंग तालिंग राज (14) पराइ आजम अंसरी, साजिद अंसरी (8) पिंगा अब्दुल अंसरी व इसरार अंसरी (16) को उठाकर पछताक के लिए भंडरिया थाना ले आयी। फोटो वायरल करने का मुख्य गुणवार इसरार अंसरी ने पुलिस के सम्बन्ध अपना गुनाह कबूल किया। हिंदू समुदाय के लोगों ने मिसाल पेश करते हुए अपनी सोाहार्द न चिरौये इसे देखते हुए उक्त तीनों नाबालिंग लड़कों के चिरौय प्राथमिकी दर्ज नहीं करायी गयी। लोगों समुदाय के लोगों के द्वारा भंडरिया थाने में ही बैठ कर दुबारा इस तरह की गतिता न हो, इसकी अंतिम चेतावनी के साथ अपासी सहमति बनी। मौके पर लव कुमार यादव, विनोद गुरुता, ठाकुर प्रसाद महता, भारीश्वरी महता, सुनिल कुमार यादव, मनोज कुशवाहा, बैजनाथ साव, जय कुमार महता, कुतुबुद्दीन अंसरी आदि उपस्थित थे।

ब्राइट स्टार पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों को सोनभद्र जिले के रेणकूट का कराया गया शैक्षणिक भ्रमण



समग्रा (आजाद सिपाही)

प्रखंड अंतर्गत बीरबल गांव में चल रहे ब्राइट स्टार पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों को छात्र-छात्राओं को वाले विद्यालय के द्वारा प्रयोक्त वर्ष किसी न किसी ऐतिहासिक स्थल पर स्कूल में घूमने वाले बच्चों को भ्रमण पर ले जाया जाता है। ब्राइट स्टार पब्लिक स्कूल प्रबंधन की पहल पर सोनभद्र जिले के रेणकूट ले जाकर ऐतिहासिक रेहेन डैम, बिरला मंदिर, बनदेवी मंदिर, कृष्ण मंदिर को दिखाया गया। इस संबंध में बताते हुए विद्यालय के प्रबंधक महताव आलम ने बताया कि बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ बींदुक ज्ञान देना हमारा कर्तव्य बन जाता है। इस तरह के भ्रमण से बच्चों में अनें अतीत व वर्तमान लोगों तक होने वालों को विकसित करने का मौका मिलता है। भ्रमण के दौरान सोनभद्र की औद्योगिक नगरी रेणकूट के प्रमुख स्थलों से रस्कूल कराया गया। इस शैक्षणिक भ्रमण के बाद हमारे स्कूल में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं में उत्साह के साथ काफी बलवान देखा जा रहा है। मौके पर स्कूली बच्चों के साथ प्रधानाध्यापिका बेटी खातून, शिक्षक योगेन्द्र कुमार यादव, रामविनय यादव, सुनील यादव, अजय यादव, वीरेन्द्र कुमार, रुखसाना प्रवाण, रुक्सार, चांदी, आशिया सहित ब्राइट स्टार पब्लिक स्कूल के सभी शिक्षक शामिल थे।

मकर संक्रान्ति पर घटवरिया घाट पर लगा मेला



विश्वनपुरा (आजाद सिपाही)

मकर संक्रान्ति पर विश्वनपुरा मुख्यालय के प्रसिद्ध घटवरिया घाट स्थित शिव मंदिर प्रांगण में भव्य मेला का आयोजन किया गया। मकर संक्रान्ति पर दही, चूड़ा, तिळकुट, तिलावा ग्रहण कर मेला का लालक उठाया। मेले में काफी संख्या में लोगों की भी देखने की मिली। इस मेले को लेकर घटवरिया बाबा शिव मंदिर मिर्जां समिति के अध्यक्ष राज बलि, अनिल चन्द्रवर्णी, रविंद्र मिश्र, अजय प्रसाद यादव सहित लोगों के द्वारा शुद्ध पेयजल की व्यवस्था करायी गयी थी। वहीं विश्वनपुरा थाना से एसआई शंकरानंद सरस अपने दल बल के साथ मौजूद थे।

असामाजिक तत्वों ने हाई स्कूल की जलमीनार को तोड़ा एवं लाइब्रेरी का ताला काटने का किया प्रयास

कांडी (आजाद सिपाही)। गरदाहा हाई स्कूल की जलमीनार को तोड़कर बबांद कर दिया गया। इधर उत्तरकालीय कक्ष का ताला काटने का भी प्रयास किया गया। कांडी थाना क्षेत्र के खुटोरीया पंचायत अंतर्गत राजकीयकृत महंती रामचंद्र पुरी उच्च विद्यालय गरदाहा के सैकड़ों विद्यार्थियों को पेंगे का पानी की ओर रामचंद्र पुरी उच्च विद्यालय के लोगों द्वारा हुए प्रभारी प्रधानाध्यापक विजय कुमार सिंह ने कहा कि सोमवार को विद्यालय अपने पर देखा कि किसी ने छुट्टी के दौरान लोगों के द्वारा शुद्ध पेयजल की व्यवस्था करायी गयी थी। वहीं विश्वनपुरा थाना से एसआई शंकरानंद रंजन आज्ञा को घटना की पूरी जानकारी दी गयी है।

नौवीं की छात्रा ने पेड़ में फँसी लगाकर की आत्महत्या

भंडरिया (आजाद सिपाही)। भंडरिया थाना क्षेत्र के कुरुन गांव के झुमेलवा ठोला निवासी भगवदाल सिंह की 14 वर्षीय पुरी प्रियंका कुमारी ने अपने घर से 500 मीटर की दूरी पर स्थित महुआ के पेड़ में अपने दुपुर से लटक कर आत्महत्या कर ली। जनकारी देते हुए मृतक के पिता भगवदाल सिंह ने बताया कि मकर संक्रान्ति के अवसर पर लगने वाला बरवाडी के तहत मेला में हम गए हुए थे। रविवार को दोपहर में घर आये तो घर पर अपनी बेटी को नहीं देखकर खोजीबन करने लगे। इसी दौरान बताया गया कि घर से पूरब जगल में मृत्युआ के पेड़ में दुपुर से लटका हुआ एक युवती का शव है। जहां पहुंच हम सब परिजनों ने जाकर देखा तो मेरी बेटी दुपुर से लटकी पड़ी है।

बैठक : झामुमो की बैठक में संगठन की स्थिति एवं युवा कमेटी के विस्तार पर की गयी चर्चा, प्रखंड अध्यक्ष ने कहा

कार्यकृता गांव-टोलों में भ्रमण कर लोगों तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचायें

आजाद सिपाही संवाददाता

रक्ता झामुमो प्रखंड कार्यालय में सोमवार का झामुमो के सभी पार्टी पदाधिकारियों की बैठक प्रखंड अध्यक्ष अराशीष कुमार गुरुता की अध्यक्षता में हुई। जिसमें सभी पंचायत से आये पंचायत अध्यक्षों से पर्टी संगठन की रिश्ती एवं सभी पंचायत में युवा कमेटी के विस्तार के अंतिम व्यक्ति को जोड़ना है, ताकि हेतु सरकार के संपर्कों के पूरा

प्रतियोगिता : 21वीं गढ़वा जिला अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता का समाप्त

आरके पब्लिक और जवाहर नवोदय की टीम बनी चैपियन

सीनियर वर्ग में आरके पब्लिक ने ब्राइट प्यूचर को अंग जनियर वर्ग में जवाहर नवोदय विद्यालय की टीम ने बीजनी संत मैरी को हराया



आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। 21वीं गढ़वा जिला अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता सीनियर वर्ग में आरके पब्लिक स्कूल की टीम रोमांचक युवाओं में स्कूल ब्राइट प्यूचर को जौ रोने से हराकर लगातार दूसरी बार और चैपियन बनी। वहीं जनियर वर्ग में जवाहर नवोदय विद्यालय के रोशन पाल, ब्रेट गोल्डबाज का पुरस्कार बीजनी संत मैरी को अंग ब्रेट प्यूचर के ब्रेट गोल्डबाज का पुरस्कार जवाहर नवोदय विद्यालय के ऋषभ को दिया गया। वहीं सीनियर वर्ग में हेंड्रे एवं ब्रेट के बीजनी संत मैरी को हराया गया।

प्रतियोगिता के बाद विद्यालय के समाप्त

बेतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी किये गये पुरस्कृत

21वीं गढ़वा जिला अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता के समाप्त अवसर पर बेतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। जिन्हें पुरस्कृत किया गया उनमें जनियर वर्ग में मैन आंफ द सीरीज जवाहर नवोदय विद्यालय के रोशन पाल, ब्रेट गोल्डबाज का पुरस्कार बीजनी संत मैरी के अंग ब्रेट प्यूचर के ब्रेट गोल्डबाज का पुरस्कार जवाहर नवोदय विद्यालय के ऋषभ को दिया गया। वहीं सीनियर वर्ग में अंग एवं ब्रेट के बीजनी संत मैरी को हराया गया।

प्रतियोगिता के समाप्त अवसर पर बेतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया।

रोशन, पंकज सिंह, चंद्रभूषण सिन्हा, सह सचिव प्रिस सोनी, कार्यालय कमलेनी दुबे और अध्यक्ष मदन के केशरी, उपाध्यक्ष सुशील केशरी, धनंजय सिंह, नंद कुमार गुरुता, विद्याक प्रतियोगिता में अंग एवं ब्रेट के बीजनी संत मैरी को हराया गया।

सीनियर वर्ग के फाइनल मैच में आरके पब्लिक स्कूल ने पहले

बेल्लेबाजी करते हुए अंकित को 39 और सचिवानद के 17 रोनों के सहयोग से निर्धारित 20 ओवर में 10 विकेट खोकर 149 रन बनाये। स्कूल ब्राइट प्यूचर की बेल्लेबाजी के अंग एवं ब्रेट के बीजनी संत ने तीन विकेट लिये। जवाबी पारी खेले उत्तरी

सीनियर वर्ग के फाइनल मैच में आरके पब्लिक स्कूल ने पहले

जारी किया गया। जवाहर नवोदय विद्यालय के बीजनी संत मैरी को हराया गया।

प्रतियोगिता के समाप्त अवसर पर बेतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया।

रोशन, पंकज सिंह, चंद्रभूषण सिन्हा, सह सचिव प्रिस सोनी, कार्यालय कमलेनी दुबे और अध्यक्ष मदन के केशरी, उपाध्यक्ष सुशील केशरी, धनंजय सिंह, नंद कुमार गुरुता, विद्याक प्रतियोगिता में अंग एवं ब्रेट के बीजनी संत मैरी को हराया गया।</p

भाजपा सबका साथ सबका विकास की तर्ज पर कार्य कर रही है : आलोक



सत्तरवा /पलामू (आजाद सिपाही)। विधायक आलोक चौरसिया के सिपाही। सोमवार को सत्तरवा द्वारा बन्धुओं सह कार्यकर्ता मिलन प्रखंड के मुरमा शिथ मलय डैम समारोह का आयोजन बिहार गया। पर डाल्टन-गंगा विधानसभा के

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य

सत्तरवा /पलामू (आजाद सिपाही)। विधायक आलोक चौरसिया के सिपाही। सोमवार को सत्तरवा द्वारा बन्धुओं सह कार्यकर्ता मिलन प्रखंड के मुरमा शिथ मलय डैम समारोह का आयोजन बिहार गया। पर डाल्टन-गंगा विधानसभा के

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य

क्षेत्र की सभी पंचायतों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए कटिबंध : बीड़ी राम



कार्यक्रम में पलामू सासद बीड़ी राम शामिल हुए। इस दौरान सासद ने देवरी कला पंचायत के मुखिया मनोज भारी के बड़े भाई एवं लम्ही बिंब की मां के असामियक मृत्यु की सूचना पाकर उनके पर पहुंचकर शैक संसद परिवार के प्रति चंदेना व्यक्त की। उक्त पंचायतों का भ्रमण के दौरान जनता की सांसदें ने जनसमर्थाओं से अवगत होकर निराकरण करने का अशासन दिया साथ उन्होंने कहा कि सड़क सुविधाओं के विस्तार के तहत मोहम्मदाज़ से कोटुंडा, बरडीहा, भजनिया होते हुए दगवार का पथ निर्माण एम जपान से नीनीपार तक, इसके अलावे पाती से बदा, उपरी से उपरी खुद्द, सरगाड़ा से हैदरनगर वाया नौडीहा पतरीया पथ की सीधीकृत कराई गई है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सभी ग्राम पंचायतों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार लिए कार्य जारी है। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के विरोध नेता बिनोद कुमार सिंह, रविंद्र कुमार सिंह, कामश्वर कुशवाहा, प्रफुल्ल कुमार सिंह, राम प्रवेश सिंह, मंडल 3व्यक्ति शास्त्रांत कुमार सिंह, अजय गुरा, रामजन महाता, सांसद प्रतिनिधि श्रवण अग्रवाल, अखिलेश महाता, रंजीत पासवान, नरेंद्र सिंह, विनय कुमार सिंह, मुखिया ममता देवी, सरिता कुमारी, वार्ड 3 सदस्यण सहित भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता एवं कार्यकीय संख्या में ग्रामीण जनता उपस्थिति थी।

योग मुरु बाबा रामदेव 18, 19, 20 मार्च को रुहेंगे पलामू में: महापौर



मेनाबीनी नगर (आजाद सिपाही)। महापौर अरुणा शक्तर ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि हम सभी का प्रयास रंग लाया। योग मुरु बाबा रामदेव ने पलामू आने का न्योता हम सभी का खीरकार कर लिया है। महापौर ने बताया कि लिए पलामू का डेट तय कर दिया गया है। जिसकी सूचना पतंजलि इकाई के राज कार्यकर्तारी सदस्य शह रामदेव पलामू प्रभारी

ममता जी एवं राजीव जी ने दी है। महापौर ने बताया कि लिए पलामू का सबसे बड़ा कार्यक्रम होगा जिसमें सभी की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। निमग्न इसके लिए विशेष तैयारी की रखाग व्यक्तिकूल एवं राज्य से लेग हमारे होंगे। इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने हेतु पतंजलि हरिद्वार से इसी माह 28 तारीख को एक टीम आएगी। जिसकी कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

महापौर ने बताया इस कार्यक्रम में पलामू चैंबर के अलावे जितने भी सामाजिक, राजनीतिक एवं व्यवसायिक संस्थान हैं। सभको साथ लेकर इस कार्यक्रम को सफल बनाया तथा उनकी सहभागिता सुनिश्चित की जायेगी।

महापौर ने सबको अपनी धूमधारा देकर करते हुए कहा कि हमारे जीवन की जीवनी का बदला आया है।

कमेटी का हुआ गठन, विजय अध्यक्ष और अनिल बने उपाध्यक्ष

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। विश्रामपुर नगर परिषद के वर्ड 16 में ग्रामीणों की एक बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता यदुनी राम एवं संचालन पर्याप्त पूनम देवी ने किया। बैठक में संत शिरोमणि रविदास जयती को धूम-धाम से मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में यह भी तरह हुआ कि हर वर्ड की भाँति इस वर्ड भी संत रविदास की प्रतिमा स्थापित कर पूरा-अर्चना की जायेगी। जयती समाजोंहोंने के सफल आयोजन एवं संचालन के लिए एक कमेटी की बी गठन किया गया। सर्वसमाजी से युवा समाजों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। निमग्न इसके अंतर्गत अनेक कुमार को उपाध्यक्ष, विजय राम पैटर को संचिय, संजय राम को उप सचिव, संतरेंद्र रवि को कोषाध्यक्ष, विदु कुमार को उप कोषाध्यक्ष, मनमर्द राम को सूचना मंत्री एवं सदामा राम को उप सूचना मंत्री बनाया गया। कमेटी के सरकार के रूप में यदुनी राम, महावीर राम, कृष्ण राम, विनोद राम, हरिश्वकर राम, रामनाथ राम, रामीती राम, नारायण राम एवं संजय कुमार राम को बुना गया। इसके अलावा 11 सदस्यीय कार्यकर्ताएं का भी गठन किया गया। कार्यकर्ताएं में विशाल कुमार, दीपक कुमार, कमलेश कुमार, सुनीत कुमार, आकाश कुमार, अरुण कुमार, लाला कुमार, अजय कुमार, संजय कुमार, बृद्धन और धनंजय कुमार रवि को रखा गया है।

टीम सूर्या पंचायत स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में महुआरी ने देवरी को हराया

आजाद सिपाही संचालदाता

हुमेंसानावाद। टीम सूर्या के बैनर

तले पंचायत स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में बहुराव एवं पांती उच्च

विधायक विधायक संघ के में क्रमांक: टीम

सूर्या महुआरी बनान् टीम एवं बैंडा

वेंडरी कला, टीम सूर्या बैंडा एवं

मोकहर कला के बीच खेला गया।

पंचायत स्तरीय टूर्नामेंट का आयोजन एनसीपी के प्रदेश

प्रवक्ता सूर्या सिंह ने गत माह शुरू कराया है। महुराव मैदान में खेले गए मैच में महुआरी की टीम ने देवरी कला की टीम के 3 विकेट से पराजित कर दिया। जबकि

पांती उचित के मैदान में खेले गए

मैच में बैंडा ने मोकहर कला को

नौडीहा बाजार थाना प्रभारी के द्वारा सड़क सुरक्षा समाज मनाया

नौडीहा बाजार/पलामू (आजाद सिपाही)

16 जनवरी से 17 जनवरी तक चलने वाली सड़क

सुरक्षा साताहा नौडीहा बाजार प्रखंड के नौडीहा बाजार थाना प्रभारी अमन कुमार के नेतृत्व में स्नोर उच्च विद्यालय के बच्चे के द्वारा सड़क सुरक्षा नियमों का जागरूकता कार्यक्रम किया गया। जिसमें सड़क सुरक्षा में आने वाले कई बाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। और रेड रेस्टेन्शन पर इंटरसिटी एक्सप्रेस, पलामू एक्सप्रेस एवं राजधानी एक्सप्रेस की ठहराव की मांग को लेकर एक ज्ञापन भी सौंपा। साथ ही लालगढ़ बिहार रेस्टेन्शन पर इंटरसिटी एक्सप्रेस, लालगढ़ सांसद वीड़ी राम से कई मूँदों पर चर्चा किया गया। साथ ही लालगढ़ बिहार रेस्टेन्शन पर इंटरसिटी एक्सप्रेस, राजधानी एक्सप्रेस की ठहराव की मांग को लेकर एक ज्ञापन भी सौंपा। आसान राजधानी एक्सप्रेस की ठहराव की मांग को लेकर एक ज्ञापन भी सौंपा।

नौडीहा बाजार थाना प्रभारी के द्वारा सड़क सुरक्षा समाज मनाया

नौडीहा बाजार/पलामू (आजाद सिपाही)

17 जनवरी से 18 जनवरी तक चलने वाली सड़क

सुरक्षा साताहा नौडीहा बाजार प्रभारी के नेतृत्व में स्नोर उच्च विद्यालय के बच्चे के द्वारा सड़क सुरक्षा नियमों का जागरूकता कार्यक्रम किया गया। जिसमें सड़क सुरक्षा में आने वाले कई बाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। और रेड रेस्टेन्शन पर इंटरसिटी एक्सप्रेस, पलामू एक्सप्रेस एवं राजधानी एक्सप्रेस की ठहराव की मांग को लेकर एक ज्ञापन भी सौंपा।

नौडीहा बाजार थाना प्रभारी के द्वारा सड़क सुरक्षा समाज मनाया

नौडीहा बाजार/पलामू (आजाद सिपाही)

18 जनवरी से 19 जनवरी तक चलने वाली सड़क

सुरक्षा साताहा नौडीहा बाजार प्रभारी के नेतृत्व में स्नोर उच्च विद्यालय के बच्चे के द्वारा सड़क सुरक्षा नियमों का जागरूकता कार्यक्रम किया गया। जिसमें सड़क सुरक्षा में आने वाले कई बाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। और रेड रेस्टेन्शन पर इंटरसिटी एक्सप्रेस, पलामू एक्सप्रेस एवं राजधानी एक्सप्रेस की ठहराव की मांग को लेकर एक ज्ञापन भी सौंपा।

नौडीहा बाजार थाना प्रभारी के द्वारा सड़क सुरक्षा समाज मनाया

नौडीहा बाजार/पलामू (आजाद सिपाही)

19 जनवरी से 20 जनवरी तक चलने वाली सड़क

सुरक्षा साताहा नौडीहा बाजार प्रभारी के नेतृत्व में स्नोर उच्च विद्यालय के बच्चे के द्वारा सड़क सुरक्षा नियमों का जागरूकता कार्यक्रम किया गया। जिसमें सड़क सुरक्षा में आने वाले कई बाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। और रेड रेस्टेन्शन पर इंटरसिटी एक्सप्रेस, पलामू एक्सप्रेस एवं राजधानी एक्सप्रेस की ठहराव की मांग को लेकर एक ज्ञापन भी

